महिला सशक्तिकरण और विकास डिप्लोमा

(डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2024–जनवरी 2025)

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी

नई दिल्ली –110068

बी.डब्लु.ई.एफ.–002: जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.एफ.–002/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रश्न 1 से 7 तक प्रत्येक 10 अंक का है। प्रश्न 8 में 30 अंक हैं (प्रत्येक भाग Aसे C तक प्रत्येक 10 अंक का है)।

1 सहभागी प्रशिक्षण क्या है? अपने उत्तर को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण दीजिए।

2. प्रौढ़ वयस्क शिक्षा की स्थितियों का वर्णन करें।

3. प्रशिक्षण में निम्नलिखित चरणों की व्याख्या करें:

(क) आवश्यकता आकलन

(ख) मूल्यांकन

4. पाँच व्यापक विषयों का सुझाव दें जिन्हें किसी भी लिंग–संवेदनशील प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। किन्हीं दो विषयों में विशिष्टसामग्री के उदाहरण दें।

5. अपने उत्तर के समर्थन में महिला उद्यमिता से संबंधित उदाहरण देते हुए व्यावहारिक और रणनीतिक जेंडर आवश्यकताओं के बीच अंतर बताएं।

6. प्रशिक्षण की प्रक्रिया में पारस्परिक संचार के महत्व और प्रकारों की व्याख्या करें।

7. प्रशिक्षण डिजाइन क्या है? एक उदाहरण देकर समझाएँ।

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक विषय पर एक प्रशिक्षण सत्र डिजाइन करें:

(ए) प्रशिक्षण सहायक सामग्री और उनका उपयोग

(बी) रिपोर्ट लेखन

(सी) सामग्री और विधि को जोड़ना

प्रत्येक मामले में, लक्ष्य समूह, अवधि और स्थान की पहचान करें। बताई जाने वाली विषय–वस्तु, प्रशिक्षण दृष्टिकोण और विधि(ओं) के बारे में बताएं जिनका आप उपयोग करेंगे।

बी.डब्लु.ई.ई.–004: महिला सशक्तिकरण के लिए रणनीतियाँ

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.ई.–004/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें।

1. "महिलाओं की अधीनस्थ स्थिति आर्थिक संसाधनों, राजनीतिक शक्ति, शैक्षिक अवसरों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक असमान पहुँच में परिलक्षित होती है।" उपयुक्त उदाहरण देते हुए इस कथन पर चर्चा करें।
2. "अधीनता का भौतिक आधार" क्या है? व्याख्या करें।
3. महिला सशक्तीकरण के लक्ष्यों और घटकों पर चर्चा करें।
4. दक्षिण एशिया में सशक्तिकरण के चार प्रमुख दृष्टिकोण क्या हैं? महिला सशक्तीकरण के संदर्भ में व्याख्या करें।
5. महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए गैर सरकारी संगठनों द्वारा प्रोत्साहित प्रमुख पहलों पर चर्चा करें।
6. महिला सशक्तीकरण के गुणात्मक और मात्रात्मक संकेतकों में अंतर बताएँ।
7. आंध्र प्रदेश में एंटी–अरैक आंदोलन पर चर्चा करें।
8. पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका क्या है? संविधान में 73वें संशोधन का क्या प्रभाव पड़ा?
9. महिलाओं के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित की गई पहल क्या हैं?
10. भारत में महिला शिक्षा को प्रभावित करने वाले दृष्टिकोण और नीतियाँ क्या हैं?

बी.डब्लु.ई.ई.–005: महिलाएँ और विकास

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.ई.–005/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें।

1. महिलाओं के आर्थिक विकास के सामाजिक–सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं पर चर्चा करें।
2. आप ''मानव विकास'' को कैसे देखते हैं? संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्ट के संदर्भ में समझाएँ।
3. विकास और महिला आंदोलन के बीच के अंतरसंबंधों की जाँच करें।
4. ''सत्त विकास'' क्या है? सतत विकास में महिलाओं की भूमिका का वर्णन करें।
5. श्वेत क्रांति के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण की कल्पना कैसे की गई?
6. महिलाओं को सशक्त बनाने में शिक्षा और मीडिया की भूमिका पर चर्चा करें।
7. वैश्वीकरण का महिलाओं पर क्या प्रभाव पड़ा? उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाएँ।
8. पर्यावरणीय ह्रास (Environmental Degradation) ग्रामीण महिलाओं के जीवन को कैसे प्रभावित करती है?
9. व्यक्तिगत प्रतिरोध की जाँच करने के लिए केस स्टडी का उपयोग करें।
10. भारत में महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय मुद्दे क्या हैं?

बी.डब्लु.ई.ई.–006: संगठन और नेतृत्व

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोड: (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोड: बी.डब्लु.ई.ई.–006/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंक: 100
जमा करने की तिथि: 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रश्न 1 से 7 तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं। प्रश्न 8 के लिए 30 अंक हैं (प्रत्येक भाग (क) से (ग) तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं)

1. आप ''समूह'' और ''स्वयं सहायता समूह'' शब्दों से क्या समझते हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरण दीजिए।

2. स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की स्थिरता का आकलन करने के लिए कौन से मानदंड इस्तेमाल किए जा सकते हैं? उपयुक्त उदाहरण देते हुए समझाइए।

3. एसएचजी विकास और स्थिरीकरण में एनजीओ सुविधाकर्ता क्या भूमिका निभाते हैं? समझाइए।

4. ''स्वयं सहायता समूहों को महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए प्राथमिक वाहन के रूप में देखा जाता है।'' उदाहरण देते हुए समझाइए।

5. स्वयं सहायता समूहों में बचत और ऋण संचालन का वर्णन कीजिए।

6. महिला सहकारी समितियों के सामने आने वाली सामान्य समस्याएँ क्या हैं? समझाइए कि उन्हें कैसे हल किया जा सकता है।

7. महिला स्वयं सहायता समूहों के संदर्भ में औपचारिक और अनौपचारिक नेतृत्व पर चर्चा कीजिए।

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक विषय पर एक प्रशिक्षण सत्र पर चर्चा कीजिए:

(क) एसएचजी संवर्धन में नाबार्ड की भूमिका

(ख) एसएचजी विकास की प्रक्रिया

(ग) समूह स्थिरीकरण का आकलन

प्रत्येक मामले में, लक्ष्य समूह, अवधि और स्थान की पहचान कीजिए। बताएँ कि किस विषय–वस्तु पर काम किया जाना है, प्रशिक्षण के लिए कौन–सा दृष्टिकोण और तरीका अपनाना है।

बी.डब्लु.ई.ई.–007: कार्यएवं उधमशीलता

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.ई.–007/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रश्न 1 से 7 तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं। प्रश्न 8 के लिए 30 अंक हैं (प्रत्येक भाग ए से सी तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं)।

1. "महिलाओं का काम आर्थिक दृष्टि से मूल्यवान है।" उदाहरण देते हुए इस कथन की व्याख्या करें।
2. स्व–सहायता समूहों (एसएचजी) में आधारित महिला उद्यमियों द्वारा आम तौर पर सामना की जाने वाली बाधाओं का वर्णन करें।
3. कृषि क्षेत्र में किस प्रकार के हस्तक्षेप महिलाओं की आय और उत्पादकता में सुधार करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं? उदाहरण देते हुए चर्चा करें।
4. व्यावसायिक विचारों का आकलन करने में SWOT विश्लेषण का उपयोग करने के लाभों की व्याख्या करें। विचार–मंथन के उपयोग के साथ तुलना करें।
5. आप व्यक्तिगत या समूह आधारित सूक्ष्म उद्यमों का चयन कब करेंगे? चयन के लिए आपके द्वारा पहचाने गए मानदंडों का उपयोग करके तुलना करें।
6. महिला उद्यमों को सहायता और समर्थन देने में एसएचजी नेटवर्क और संघों की प्रासंगिकता की व्याख्या करें।
7. एसएचजी–आधारित सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने में गैर सरकारी संगठनों और बैंकों की भूमिका पर चर्चा करें।
8. निम्नलिखित में से प्रत्येक विषय पर एक प्रशिक्षण सत्र पर चर्चा करें:

(ए) उद्यमिता के लिए प्रेरणा

(बी) उत्पादन और संचालन प्रबंधन

(सी) उद्यमशीलता कौशल और दक्षता

प्रत्येक मामले में, लक्ष्य समूह, अवधि और स्थान की पहचान करें। लेन–देन की जाने वाली सामग्री, प्रशिक्षण दृष्टिकोण और आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों के बारे में बताएं।

बी.डब्लु.ई.ई.–008: ऋण एवं वित्त

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.ई.–008/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रश्न 1 से 7 तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं। प्रश्न 8 के लिए 30 अंक हैं (प्रत्येक भाग (क) से (ग) तक प्रत्येक के लिए 10 अंक हैं)।

1. ''गरीबी उन्मूलन में माइक्रोफाइनेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।'' गरीब महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या करें।
2. उपयुक्त उदाहरण देते हुए एसएचजी–बैंक लिंकेज के मॉडल की व्याख्या करें।
3. एसएचजी के उन्नति पथ/विकास विकास पर चर्चा करें।
4. ऋण वितरण और पुनर्भुगतान के लिए दिशानिर्देश क्या हैं? उदाहरण देते हुए समझाएँ।
5. ऋण एजेंसियाँ ऋण के लिए एसएचजी की पात्रता का निर्णय कैसे लेती हैं? उनके द्वारा आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले मानदंडों के उदाहरण देते हुए चर्चा करें।
6. माइक्रोफाइनेंस और माइक्रो–बीमा को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक और एनिमेटर के रूप में एनजीओ/यूनियन/एसोसिएशन की क्या भूमिका है? समझाएँ।
7. स्वयं सहायता समूह की पुस्तकों और खातों का रखरखाव किसे करना चाहिए? एसएचजी गठन से लेकर आगे के प्रत्येक चरण के संदर्भ में समझाएँ।
8. निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक पर एक प्रशिक्षण सत्र पर चर्चा करें:

(क) संघ और बचत, ऋण और माइक्रोफाइनेंस के लिए समर्थन

(ख) समूह स्थिरता का आकलन

(ग) एसएचजी में लेखांकन प्रक्रियाएँ

प्रत्येक मामले में, लक्ष्य समूह, अवधि और स्थान की पहचान करें। लेन–देन की जाने वाली सामग्री, प्रशिक्षण दृष्टिकोण और आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों के बारे में बताएं।

बी.डब्लु.ई.ई.–012: महिलाएँ और समाजः वैश्विक सरोकार और स्थानीय मुद्दे

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टीएमए–1)

कार्यक्रम कोडः (डी.डब्ल्यू.ई.डी)

सत्रीय कार्य कोडः बी.डब्लु.ई.ई.–012/टीएमए–1/24–25

अधिकतम अंकः 100
जमा करने की तिथिः 31 मार्च, 2025 (जुलाई 2024 सत्र)
30 सितंबर, 2025 (जनवरी 2025 सत्र)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें।

1. भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति क्या है? समकालीन विश्लेषण प्रस्तुत करें।
2. असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका क्या है?
3. महिलाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों पर चर्चा करें।
4. राज्य और नागरिक समाज ने महिला आंदोलनों पर क्या प्रतिक्रिया दी?
5. श्रम कानूनों और कार्य की दुनिया में महिलाओं की भागीदारी पर उनके प्रभाव पर चर्चा करें।
6. महिलाओं की औपचारिक और अनौपचारिक राजनीतिक भागीदारी का वर्णन करें।
7. आईसीटी और महिलाओं पर पहुँच और समानता के मुद्दों का क्या प्रभाव है?
8. "महिलाएँ पारंपरिक ज्ञान की संरक्षक हैं।" उदाहरण देते हुए इस कथन की व्याख्या करें।
9. सशक्तिकरण के लिए लामबंदी में महिला संगठनों की क्या भूमिका है?
10. मीडिया महिलाओं की रूढ़िबद्ध छवि कैसे पेश करता है? उदाहरण देते हुए समझाएँ।